L4000136

HINDI

Maximum Marks: 80
Time Allotted: Three Hours
Reading Time: Additional Fifteen Minutes

Instructions to Candidates

1. You are allowed an **additional fifteen minutes** for **only** reading the question paper.
2. You must **NOT** start writing during reading time.
3. This question paper has **11 printed pages and one blank page.**
4. It is divided into **two sections: Section A and Section B.**
5. It has **fifteen questions** in all.
6. **Section A** has **three questions.** All questions are compulsory.
7. While attempting **Multiple Choice Questions** in Section A, you are required to **write only ONE option as the answer.**
8. **Section B** has **twelve questions**. You are required to attempt **any four** questions in this section on **any three** out of the four prescribed textbooks.
9. The intended marks for questions are given in brackets [ ].

Instruction to Supervising Examiner

1. Kindly read **aloud** the Instructions given above to all the candidates present in the examination hall.

Downloaded From www.icseboard.org

SECTION A

LANGUAGE — 40 MARKS

Question 1 **[15]**

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any ONE of the topics given below.

किसी एक विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए जो लगभग 400 शब्दों से कम न हो।

(i) आप एक समाजसेवी संस्था से जुड़े हुए हैं जो बेसहारा एवं अकेलेपन का दंश झेल रहे वृद्धों के लिए वृद्धाश्रम चलाती है। बुजुर्गों के साथ काम करते हुए आपको किन-किन बातों का विशेष ध्यान रखना पड़ता है ? उनके साथ समय बिताते हुए आपको कैसा महसूस होता है ? अपने कार्यों के माध्यम से आप समाज में क्या बदलाव लाना चाहते हैं ? वर्णन कीजिए।

(ii) किसी राष्ट्र को भ्रष्टाचार मुक्त करने में हमारे माता-पिता, शिक्षक एवं हम सब की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। हम सभी अपनी-अपनी भूमिकाओं का निर्वहन किस प्रकार कर सकते हैं ? उदाहरण सहित अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iii) मधुर वाणी में किसी के मन को मोह लेने की शक्ति होती है। मधुर वाणी लोकप्रियता के शिखर पर बैठाने की और कटुवाणी अप्रियता की खाई में धकेल देने की क्षमता रखती है। इस सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने जीवन में घटित किसी एक ऐसी घटना का वर्णन कीजिए जो उक्त कथन को सार्थक करती हो।

(iv) 'बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिक्षकों एवं अभिभावकों से सलाह लेने से अधिक महत्त्वपूर्ण है, चिकित्सीय परामर्श लेना'—इस कथन के **पक्ष** अथवा **विपक्ष** में अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(v) एक ऐसे समय का वर्णन कीजिए जब आपको अपने जीवन में एक महत्त्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ा। वह चुनौती क्या थी ? उसका मुकाबला करने के लिए आपने क्या रणनीति तैयार की, और राह में आने वाली बाधाओं का आपने अपने मित्रों की मदद से कैसे सामना किया ? अपने अनुभव का वर्णन कीजिए।

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए।

(a) 'अखबार के मुखपृष्ठ पर छपी मेरी तस्वीर।'

(b) इस वाक्य से अन्त करते हुए एक मौलिक कहानी लिखिए।

.....और फिर मुझे वहाँ से दुम दबाकर भागना पड़ा।

Downloaded From www.icseboard.org

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए।

एक बार एक व्यक्ति बाजार से फल खरीदने गया तो उसने वहाँ एक बड़ी अजीब चीज देखी। एक रेहड़ी फलों से भरी हुई पड़ी थी। एक छोटी सी तख्ती उस पर लगी हुई थी, जिस पर मोटे अक्षरों में लिखा हुआ था–

'मेरी बूढ़ी माँ बीमार है, घर पर कोई नहीं है। मुझे थोड़ी-थोड़ी देर में उन्हें खाना खिलाने, दवा देने तथा उनकी देखभाल करने के लिए जाना पड़ता है। अगर आपको जल्दी है तो आप अपनी मर्जी से फल तोल लें और पैसे कोने में गत्ते के नीचे रख दें। गत्ते पर फलों की कीमत भी लिखी हुई है।'

वह व्यक्ति बहुत हैरान हुआ। उसने इधर-उधर देखा, पास पड़े तराजू में दो किलो सेब तोले, दर्जन भर केले लिए और अपने थैले में डाल लिए। उनकी कीमत देखी, पैसे निकाल कर गत्ते को उठाया तो देखा वहाँ सौ, पचास और दस-दस के नोट पड़े थे। उसने भी पैसे वहीं रख कर उसे ढक दिया और थैला उठाकर अपने घर आ गया।

रात को खाना खाने के बाद वह व्यक्ति टहलने के लिए बाहर निकला तो उसने एक कमजोर से आदमी को देखा, जिसकी दाढ़ी आधी काली, आधी सफेद थी और वह एक मैला-सा कुर्ता पजामा पहने हुए था। वह रेहड़ी को धक्का लगा कर बस जाने ही वाला था कि उन्हें देखकर मुस्कुराया और बोला, "साहब! फल तो खत्म हो गए।"

व्यक्ति द्वारा पूछे जाने पर उस रेहड़ी वाले ने अपना नाम सीताराम बताया। फिर जब उन्होंने उसकी रेहड़ी के बारे में विस्तार से जानना चाहा, तो उसने बताना शुरू किया, "पिछले एक साल से मेरी माँ बीमार हैं और अब तो उन्हें लकवा भी मार गया है। अब वे पूरी तरह से बिस्तर पर हैं। मेरी कोई संतान नहीं है, बीवी मर चुकी है, सिर्फ मैं हूँ और मेरी माँ। माँ की देखभाल करने वाला कोई नहीं है इसलिए मुझे हर वक्त माँ का ख्याल रखना पड़ता है।"

कुछ पल मौन रहने के बाद उसने अपनी बात को आगे बढ़ाया, "एक दिन मैंने माँ के पाँव दबाते हुए बड़ी नरमी से अपने दिल की बात कही। माँ! तेरी सेवा करने को बड़ा जी चाहता है पर जेब खाली

Downloaded From www.icseboard.org

है। मेरे पास कोई जमा पूँजी भी नहीं है और तू मुझे कमरे से बाहर निकलने ही नहीं देती। कहती है तू जाता है तो जी घबराने लगता है। तू ही बता मैं क्या करूँ ?

ये सुनकर माँ ने हाँफते हुए उठने की कोशिश की। मैंने तकिये की टेक लगा कर उन्हें बिठाया। उन्होंने अपना झुर्रियों भरा चेहरा उठाया और अपने कमजोर हाथों को ऊपर उठाकर मन-ही-मन न जाने किसकी स्तुति की। फिर मुझसे बोलीं, तू रेहड़ी वहीं छोड़ आया कर।

मैंने कहा, माँ! क्या बात करती हो, वहाँ छोड़ आऊँगा, तो कोई चोर-उचक्का सब कुछ ले जाएगा। और जब रेहड़ी का मालिक ही नहीं होगा तो फल खरीदने कौन आएगा ?

माँ कहने लगीं, तू इन्सानियत पर भरोसा रखकर रेहड़ी को फलों से भरकर छोड़ कर आया कर और शाम को खाली रेहड़ी ले आया कर। तेरा रुपया कहीं नहीं जाएगा।

छह महीने हो गए हैं भाई! सुबह रेहड़ी लगा आता हूँ, शाम को ले जाता हूँ। लोग पैसे रख जाते हैं और फल ले जाते हैं। एक धेला भी ऊपर-नीचे नहीं होता, बल्कि कुछ तो ज्यादा भी रख जाते हैं। कभी कोई माँ के लिए फूल रख जाता है, कभी कुछ और चीज। परसों एक बच्ची पुलाव बनाकर रख गयी, साथ में माँ के लिए एक पर्ची भी थी।

एक डॉक्टर अपना कार्ड छोड़ गए। पीछे लिखा था माँ की तबीयत नाजुक हो तो मुझे बुला लेना, मैं आ जाऊँगा। रोज कुछ-न-कुछ मेरे हक के साथ मौजूद होता है। न माँ हिलने देती हैं, न मेरे भगवान कुछ कमी होने देते हैं। माँ कहती हैं, तेरे फल मेरा भगवान अपने फरिश्तों से बिकवा देता है।''

इतना सब कुछ बताते हुए सीताराम का गला भर आया और उसने कहा कि ये सब उसकी माँ की दुआओं का फल है। अब उसे विश्वास हो गया था कि इन्सानियत और ईमानदारी आज भी जिन्दा है।

प्रश्न :—

(i) रेहड़ी किसकी थी ? उस रेहड़ी की क्या विशेषता थी ? **[3]**

(ii) लोग उस रेहड़ी से फल कैसे खरीदते थे ? क्या रेहड़ी वाले को कभी नुकसान हुआ ? समझाकर लिखिए। **[3]**

(iii) 'माँ की दुआओं में ताकत होती है'—क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए। **[3]**

Downloaded From www.icseboard.org

(iv) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।

"माँ! तेरी सेवा करने को बड़ा जी चाहता है पर जेब खाली है। मेरे पास कोई जमा पूँजी भी नहीं है और तू मुझे कमरे से बाहर निकलने ही नहीं देती। कहती है तू जाता है तो जी घबराने लगता है। तू ही बता मैं क्या करूँ ?"

(a) "माँ! तेरी सेवा करने को बड़ा जी चाहता है"—इस पंक्ति के पीछे वक्ता का क्या भाव है ? [1]

(1) वात्सल्य का भाव

(2) लाचारी का भाव

(3) दिखावे का भाव

(4) संतोष का भाव

(b) 'जेब खाली होना' का क्या आशय है ? [1]

(1) आमदनी अठन्नी होना

(2) ठन-ठन गोपाल होना

(3) अंटी ढीली होना

(4) जेब कट जाना

(c) माँ का जी क्यों घबराता था ? [1]

(1) पैसों की कमी के कारण

(2) अपनी बीमारी के कारण

(3) इलाज न होने के कारण

(4) बेटे के बाहर जाने के कारण

(v) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए।

"एक डॉक्टर अपना कार्ड छोड़ गए। पीछे लिखा था माँ की तबीयत नाजुक हो तो मुझे बुला लेना, मैं आ जाऊँगा। रोज कुछ-न-कुछ मेरे हक के साथ मौजूद होता है। न माँ हिलने देती हैं, न मेरे भगवान कुछ कमी होने देते हैं।"

(a) डॉक्टर अपना कार्ड क्यों छोड़ गए थे ? [1]

(1) उन्हें एक मरीज मिल गया था।

(2) उनके पास कोई काम नहीं था।

(3) वे मानवीय मूल्यों के वाहक थे।

(4) उनमें लालच का भाव था।

Downloaded From www.icseboard.org

(b) .....'हक के साथ मौजूद होना' का गद्यांश में क्या आशय है ? [1]

(1) अपने हक से ज्यादा मिलना।

(2) अपने हक से कम मिलना।

(3) अपने हक का पूरा मिलना।

(4) दूसरों के हक का भी मिलना।

(c) "न माँ हिलने देती हैं, न मेरे भगवान कुछ कमी होने देते हैं।"–इस पंक्ति में माँ और भगवान में क्या समानताएँ हैं ? [1]

(1) दोनों जिद्दी हैं।

(2) दोनों मतलबी हैं।

(3) दोनों में प्रतिस्पर्धा है।

(4) दोनों हितैषी हैं।

Question 3

(A) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए। [1]

पिछले कुछ वर्षों के बीच भारत की आबादी बढ़ी है।

(ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए। [1]

हमारा अफसर वैसे तो ईमानदार है, पर है..... का कच्चा।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]

(a) भगवान जब देते हैं, छप्पर तोड़कर देते हैं।

(b) भगवान जब देते हैं, छप्पर फोड़कर देते हैं।

(c) भगवान जब देते हैं, छप्पर फाड़कर देते हैं।

(d) भगवान जब देते हैं, छप्पर जोड़कर देते हैं।

Downloaded From www.icseboard.org

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए। [1]

(a) निरपराध को दण्ड नहीं देना चाहिए।

(b) कल सभागार में इस विषय पर चर्चा होगी।

(c) सत्य के अनेक रूप होते हैं।

(d) बारह बजने को दस मिनट हैं।

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए। [1]

तीन दिनों से विद्यालय में अनुपस्थित होने के कारण मैं पढ़ाए गए विषय से <u>अनजान</u> थी।

(a) अज्ञ

(b) अल्पज्ञ

(c) अनभिज्ञ

(d) विज्ञ

(B) Do as directed.

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए : [1]

लकीर का फकीर होना

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए। [1]

चार दिन की चाँदनी फिर घनेरी रात

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]

राजा का पारा तो यों ही चढ़ा हुआ था, मंत्री ने शिकायत करके .....शुरू कर दिया।

(a) मैदान मारना

(b) आग में घी डालना

(c) आग बबूला होना

(d) दाँत खट्टे करना

Downloaded From www.icseboard.org

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]

माता-पिता के क्रोध करने पर सामने जवाब न देकर चुप रहना चाहिए।

(a) ढोल पीटना

(b) छक्के छुड़ाना

(c) तलवार के घाट उतारना

(d) जबान पर ताला लगा लेना

(v) निम्नलिखित मुहावरे के लिए सही अर्थ का चयन कीजिए। [1]

घोड़े पर सवार होना

(a) गायब हो जाना

(b) जल्दबाजी में रहना

(c) बना-बनाया काम बिगाड़ना

(d) भाग जाना

SECTION—B

LITERATURE — 40 MARKS

*Answer **four** questions from this Section on **any three** out of the **four** prescribed textbooks.*

*पाठ्यक्रम में निर्धारित **चार** पुस्तकों से किन्हीं **तीन** पुस्तकों के **चार** प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए।*

गद्य संकलन (Gadya Sanklan)

Question 4

'गुस्सा करना मनुष्य की प्रकृति है, लोभ में पड़ना उसका स्वभाव है, ईर्ष्या, मोह, राग, द्वेष और काम-वासना, ये सबके सब प्रकृतिदत्त गुण हैं, मगर प्रकृति के ये गुण अगर बेरोक छोड़ दिए जाएँ तो आदमी और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाए।'

(i) उक्त कथन से सम्बन्धित पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए। [1]

(ii) लेखक ने सभ्यता और संस्कृति में क्या सम्बन्ध बताया है ? [2]

(iii) लेखक ने गुस्से को वश में करने का सुझाव क्यों दिया है ? [2]

(iv) लेखक ने उच्च संस्कृति के किन लक्षणों को उजागर किया है ? क्या आप इन लक्षणों को भारतीय संस्कृति में पाते हैं ? किसी एक तर्क के माध्यम से स्पष्ट कीजिए। [5]

Downloaded From www.icseboard.org

Question 5 [10]

'भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ जीवन-मूल्यों की स्थापना करते हुए शरण में आए व्यक्ति की रक्षा को परम धर्म माना गया है।' इस कथन को केन्द्र में रखते हुए 'शरणागत' कहानी के कथानक की समीक्षा कीजिए।

Question 6 [10]

'नीलम का सारा बलिदान उसके परिजनों की स्वार्थपूर्ण दृष्टि के समक्ष गौण हो जाता है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? नीलम के चरित्र को ध्यान में रखते हुए किन्हीं दो तर्कों के माध्यम से उक्त कथन की समीक्षा कीजिए।

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

Question 7

जब मैं था तब हरि नहिं, अब हरि हैं मैं नाहिं।

सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माहिं।।

तन कौं जोगी सब करैं, मन कौं विरला कोइ।

सब विधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ।।

(i) 'साखी' शब्द के अर्थ पर प्रकाश डालिए। [1]

(ii) 'मैं' किसकी प्रतिध्वनि है ? हमारे जीवन में इसकी उपस्थिति से क्या हानियाँ होती हैं ? [2]

(iii) हमें किस प्रकार का जोगी होना चाहिए ? इसका क्या परिणाम होगा ? [2]

(iv) 'कबीर की साखियाँ अंधेरे में दीपक के समान हैं।' पठित साखियों के आधार पर इस कथन को सत्यापित कीजिए। [5]

Question 8 [10]

द्वीप को विशेष अस्तित्व किसके कारण और कैसे प्राप्त हुआ ? किस स्थिति में इसका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है ? इस अस्तित्व को अलग पहचान देना आवश्यक क्यों है ? 'नदी के द्वीप' कविता के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Question 9 [10]

'कर्मठ व्यक्ति कभी भी भाग्य के भरोसे नहीं बैठते। वे अपना भाग्य स्वयं निर्मित करते हैं।' 'उद्यमी नर' कविता के आधार पर उदाहरण सहित इस कथन की समीक्षा कीजिए।

Downloaded From www.icseboard.org

'सारा आकाश' (Saara Akash)

Question 10

"आज यह बात क्या है–न खाना, न पानी। प्रभा तो अपना काम कभी भूलती नहीं है। हो सकता है, याद न रहा हो।''

(i) वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [1]

(ii) कमरे में खाना-पानी क्यों नहीं रखा था ? [2]

(iii) इस समय प्रभा कहाँ और किस स्थिति में है ? [2]

(iv) 'प्रभा तो अपना काम कभी भूलती नहीं है।'–वक्ता ने उक्त कथन क्यों कहा ? इससे प्रभा के किन गुणों का पता चलता है ? [5]

Question 11 [10]

'सारा आकाश' उपन्यास में 'बाबूजी को एक परम्परावादी पिता के रूप में चित्रित किया गया है।' इस कथन को स्पष्ट करते हुए बाबूजी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

Question 12 [10]

"मजबूरी में घुल-घुल और घुट-घुटकर मरने को भारतीय नारी की सहनशीलता का नाम दे-देकर मत पूजिए।'' प्रस्तुत कथन की व्याख्या करते हुए लेखक के नारी-जीवन सम्बन्धी विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

'आषाढ़ का एक दिन' (Aashad Ka Ek Din)

Question 13

"लगा जैसे मैं इस स्वर को पहचानता हूँ। जैसे यहाँ की हर वस्तु की तरह यह भी किसी परिचित स्वर का बदला हुआ रूप है।''

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस अंक से ली गई हैं ? इसके वक्ता और श्रोता कौन हैं ? [1]

(ii) जाना पहचाना स्वर किस व्यक्ति का है ? उसका परिचय दीजिए। [2]

(iii) बाहर आए आगंतुक की ओर मल्लिका ध्यान क्यों नहीं देना चाहती थी ? [2]

(iv) वक्ता कहाँ और किस उद्देश्य से आया है ? उसका उद्देश्य सफल हुआ या नहीं ? कारण सहित उत्तर दीजिए। [5]

Downloaded From www.icseboard.org

Question 14 [10]

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में 'ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधुनिक युग के भाव बोध को प्रस्तुत किया गया है।' सिद्ध कीजिए कि मोहन राकेश ने इतिहास पुरुष कालिदास के माध्यम से आधुनिक युग की समस्याओं व परिस्थितियों को बखूबी उभारा है।

Question 15 [10]

"इस सौन्दर्य के सामने जीवन की सब सुख-सुविधाएँ कम हैं। इसे आँखों में व्याप्त करने के लिए जीवन-भर का समय भी पर्याप्त नहीं है।'' राजकुमारी प्रियंगुमंजरी द्वारा मल्लिका से कहे गए इस कथन के आलोक में प्रियंगुमंजरी का चरित्रांकन कीजिए।

Downloaded From www.icseboard.org